भारतीय जनसंचार संस्थान

संकाय

भारतीय जनसंचार संस्थान के संकाय में शिक्षाविद और पेशेवर मीडियाकर्मी दोनों शामिल हैं, जिन्होंने अपने कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके अलावा प्रमुख संगठनों के अतिथि शिक्षक भी स्कॉलर और प्रशिक्षुओं का ज्ञानवर्द्धन करते हैं।

के.एम. श्रीवास्तव प्रोफेसर, समाचार एजेन्सी पत्रकारिता	मृणाल चटर्जी, प्रोफेसर आईआईएमसी (ढेंकनाल)	शाश्वती गोस्वामी, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रसारण पत्रकारिता
जे. जेठवानी, प्रोफेसर विज्ञापन एवं जनसंपर्क	शिवाजी सरकार, एसोसिएट प्रोफेसर, अंग्रजी पत्रकारिता	शालिनी नारायण एसोसिएट प्रोफेसर
एस. आर. चारी, प्रोफेसर प्रसारण पत्रकारिता	सुनेत्रा सेन नारायण एसोसिएट प्रोफेसर, प्रकाशन	हेमंत जोशी, एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी पत्रकारिता
विजय परमार, प्रोफेसर मौखिक एवं दृश्य संचार	एस. ब्रह्मचारी, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रारूप और डिजाइन	रिंकू पेगू असिस्टेंट प्रोफेसर
गीता बामजेई, प्रोफेसर संचार शोध	आनन्द प्रधान, एसोसिएट प्रोफेसर, फीचर संचार	

के. एम. श्रीवास्तव
प्रोफेसर, समाचार एजेंसी पत्रकारिता
विशेषज्ञ: समाचार एजेंसी पत्रकारिता, रिपोर्टिंग, संपादन, मीडिया संबंधी मुद्दे
ई मेल -kmsiimc@rediffmail.com
फोन– 91 011 26742462

वर्ष 1993 से आईआईएमसी संकाय में
समाचार एजेंसी पत्रकारिता के प्रोफेसर के एम श्रीवास्तव एक पेशेवर मीडियाकर्मी हैं। विभिन्न प्रकार के मीडिया संस्थानों में कार्य का अनुभव रखने वाले श्री श्रीवास्तव ने वर्ष 1985 में मीडिया शिक्षण के क्षेत्र में प्रवेश किया। वे भारतीय जनसंचार संस्थान के ढेंकनाल स्थित पूर्वी भारतीय परिसर के प्रोफेसर इन चार्ज भी रहे हैं । वे पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रमुख भी रहे हैं। प्रोफेसर श्रीवास्तव ने भारतीय जनसंचार संस्थान से प्रकाशित कम्युनिकेटर और संचार माध्यम का संपादन भी किया है । इस समय वो ढेंकनाल स्थित भारतीय जनसंचार संस्थान की शाखा से निकलने वाले अनियतकालिन पत्र मीडिया माइंड को निकालते हैं।
प्रोफेसर श्रीवास्तव अंतरराष्ट्रीय मीडिया एवं संचार शोध की अंतरराष्ट्रीय परिषद (आई.ए.एम.आर) में भी निर्वाचित हुए थे। उनका निर्वाचन 1996 में सिडनी और 2000 में सिंगापुर में हुआ था। एक पत्रकार के रूप में उन्होंने अस्सी के दशक के प्रारम्भ में गुट निरपेक्ष आंदोलन और चोगम की शिखर बैठकों की रिपोर्टिंग की । वे सूचना प्रोद्योगिकी पर संयुक्त राष्ट्र विश्व शिखर बैठक(जेनेवा,दिसम्बर 2000) में शामिल हुए।
आई.ए.एम.सी.आर सम्मेलनों के अलावा उन्होंने मास्को स्टेट विश्वविद्यालय (1994-2000) कैनबरा विश्वविद्यालय (1996-1999) लीसेस्टर विश्वविद्यालय(2000) ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट (2001) ताम्प्रे विश्वविद्यालय-फिनलैंड (2002) इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशियोलॉजी(1997-2001)और एशियन मीडिया इफॉरमेशन एंड कम्युनिकेशन सेंटर(ए.एम.आई.सी)-सिंगापुर द्वारा आयोजित सम्मेलनों (1994-2000) को भी संबोधित किया। उन्होंने मनीला में वर्ष 2001 में आयोजित एएमआईसी सम्मेलन की अध्यक्षता भी की और इंटरनेशनल प्रेस इंस्टीट्यूट के वियना(2002) और वार्सा (2004) में आयोजित सम्मेलन में भी हिस्सा लिया। उन्होंने वर्ष 2004 में बार्सिलोना में सांस्कृतिक विविधता पर हुए संवाद की अध्यक्षता की। मीडिया पर उनकी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है, जिनमें न्यूज रिपोर्टिंग एडिटिंग (1987) रेडियो एंड टेलीविजन जर्नलिज्म (1989) मीडिया इश्यूज (1991) और मीडिया टुवर्डस ट्वेन्टी फर्स्ट सेन्चुरी (1998) शामिल हैं । अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित कई पुस्तकों में भी उनके लिखे अध्याय शामिल हैं।

जे.जेठवानी
प्रोफेसर, विज्ञापन एवं जनसंपर्क
पाठ्यक्रम निदेशक, विज्ञापन एवं जनसंपर्क में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
विशेषज्ञता: विज्ञापन, जनसंपर्क, स्वास्थ्य संचार, एडवोकेसी संचार, मीडिया एवं राजनीति
ई मेल –jethwaney@iimc.nic.in
फोन- 91 011 26741355

आईआईएमसी के संकाय में वर्ष 1989 से
प्रोफेसर जेठवानी ने दिल्ली विश्वविद्यालय से राजनीति शास्त्र में स्नात्कोत्तर की पढ़ाई की और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज से मीडिया और चुनाव पर डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। उन्होंने विज्ञापन, जनसंपर्क और पत्रकारिता में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा हासिल किया और न्यू साउथ वेल्स स्थित अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान से जनसंपर्क में फेलोशिप प्राप्त की।
ब्रांड प्रबंधन से अपने करियर की शुरूआत करने वाली प्रो जेठवानी ने एक दशक तक कॉरपोरेट कम्युनिकेशन और जनसंपर्क के क्षेत्र में काम किया। वे प्रारम्भ में एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में भारतीय जनसंचार संस्थान से जुड़ीं। डॉ जेठवानी मीडिया के लिए लिखती रही हैं और कई पुस्तकों की रचना भी उन्होंने की है। इनमें एडवरटाइजिंग, पब्लिक रिलेशन : कन्सेप्ट स्ट्रेटेजिज एंड टूल्स (सह-लेखक) पब्लिक रिलेशन्स (सह-लेखक) हिन्दी में विज्ञापन एवं जनसंपर्क (सह-लेखक) शामिल हैं। इसके अलावा उन्होंने कई पुस्तकों में अध्याय भी लिखे हैं । पिछले दशक में प्रो.जेठवानी ने कई शोध अध्ययनों का भी संचालन किया है । देश-विदेश की व्यापक यात्राएं करने वाली डॉ जेठवानी की रुचि राजनीति में मीडिया के प्रभाव, स्वास्थ्य संचार और एडवोकेसी संचार में है।

एस. आर. चारी
प्रोफेसर, प्रसारण पत्रकारिता
पाठ्यक्रम निदेशक: रेडियो एवं टेलीविजन पत्रकारिता
ईमेल - chari2k@yahoo.com
chari.raghav@gmail.com
फोन- 91 011 26741542

प्रो. चारी (जन्म 1950) ऑस्टिन विश्वविद्यालय टेक्सास, अमेरिका में रेडियो /टेलीविजन और फिल्म के स्कॉलर रहे हैं। उन्होंने एफटीआईआई, पुणे से टेलीविजन प्रोडक्शन में डिप्लोमा भी किया है। इससे पहले उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय से राजनीतिशास्त्र में स्नातकोत्तर की शिक्षा हासिल की।

प्रो. चारी के पास दो दशक से ज्यादा का पेशेवर अनुभव है। स्वतन्त्र पत्रकार के रूप में अपना कैरियर शुरू करने वाले श्री चारी ने राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओं और सीएसआईआर की पत्रिका "साइन्स रिपोर्टर" के लिए भी लेखन कार्य किया है। उन्होंने आकाशवाणी में भी करीब चार वर्ष तक रिपोर्टर और सहायक संपादक के रूप में कार्य किया। इसके अलावा दूरदर्शन के समाचार प्रभाग में भी काम किया और वहां प्रोड्यूसर और विशेष संवाददाता का काम संभाला। इस दौरान उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाओं की रिपोर्टिंग की।

प्रो चारी 1990 में आईआईएमसी में रेडियो एवं टेलीविजन पत्रकारिता के प्रभारी के रूप में आये। इस समय वे रेडियो और टेलीविजन पत्रकारिता के स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के निदेशक हैं।

विजय परमार
(प्रोफेसर, मौखिक और दृश्य संचार)
कोर्स डायरेक्टर: संचार में आधार पाठ्यक्रम (ग्रुप 'ए' के आईआईएस अधिकारियों के लिए)
विशेषज्ञता: दृश्य संचार, संचार अभिकल्पना, प्रिंट में दृश्य पत्रकारिता, टेलीविजन और ऑनलाइन मीडिया, न्यू मीडिया का सौन्दर्यशास्त्र, पुस्तक प्रकाशन, संस्कृति और संचार, लोक माध्यम, विकास संचार
ईमेल - vparmar.iimc@nic.in
फोन- 91 011 26742168

1995 से आईआईएमसी के संकाय सदस्य
प्रोफेसर परमार की रुचियों का दायरा काफी बड़ा है. मीडिया और शिक्षा के क्षेत्र में उन्हें व्यापक अनुभव है. उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि पत्रकारिता और इतिहास की रही है. प्रोफेसर परमार ने अपने करियर की शुरुआत संचार शोध से की. उन्होंने लोक माध्यम, पुस्तक प्रकाशन, संचार अभिकल्पना और संस्कृति शिक्षण के क्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण काम किए हैं.
1995 में आईआईएमसी में प्रोफेसर के तौर पर काम शुरू करने से पहले श्री परमार दिल्ली के सेंटर फॉर कल्चरल रिसोर्सेज एंड ट्रेनिंग में डायरेक्टर/ज्वाइंट डायरेक्टर और डिप्टी डायरेक्टर के तौर पर काम कर चुके हैं. उन्होंने संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली और नेशनल एकेडेमी ऑफ़ पर्फार्मिंग आर्ट्स में भी प्रोग्राम अफसर के तौर पर काम किया है.
फिलहाल वे भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों के लिए चलाये जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम की अगुवाई करते हैं. वे दृश्य संचार/ संचार, मल्टीमीडिया, ग्राफिक कम्युनिकेशन, फोटोग्राफी/वीडियो प्रोडक्शन, सृजनात्मकता, लोक माध्यम, डिजीटल संचार/ ऑनलाइन मीडिया के साथ ही एडिटिंग, पुस्तक प्रकाशन और संचार दक्षता में पाठ्यक्रमों का संचालन करते हैं.
मीडिया से जुडे सामाजिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक विषयों में प्रोफेसर परमार की गहरी रुचि है. लोक माध्यमों के क्षेत्र में उन्होंने बड़े पैमाने पर शोध और डाक्युमेंटेशन का काम किया है. उन्होंने अनौपचारिक शिक्षा के लिए काफी संसाधन भी विकसित किए हैं. इस सिलसिले में कई आडियो-विजुवल प्रोडक्शन और प्रकाशन उनके खाते में है.

मृणाल चटर्जी
प्रोफेसर, आईआईएमसी, ढेंकनाल
विशेषज्ञता: संचार शोध, ग्रामीण एवं विकास संबंधी रिपोर्टिंग और संपादन
ई-मेल - mrinalchatterjee@indiainfo.com
फोन- 91 06762 224274

आईआईएमसी संकाय में 1999 से
प्रो. मृणाल चटर्जी ने अंग्रेजी और लोक प्रशासन में उत्कल विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की डिग्री ली। उन्होंने हिसार के जी.जे. विश्वविद्यालय से जेएमसी में स्नातकोत्तर किया।
प्रमुख उड़िया दैनिक संवाद से एक पत्रकार के रूप में अपना करियर शुरु करने वाले श्री चटर्जी ने पेशेवर पत्रकार के रूप में डेढ़ दशक तक काम किया। आईआईएमसी की ढेंकनाल शाखा में 1999 में आने से पहले वे संवाद के उत्तर उड़ीसा संस्करण के प्रभारी थे।
प्रो. चटर्जी मीडिया के लिए लिखते रहे हैं और उन्होंने उड़िया में निम्नलिखित पुस्तकों की रचना की है : संवादीकताओ गणमाधमा (पत्रकारिता एंव जनसंचार), शब्द छबी अख्यरा (ध्वनि चित्र और शब्द)। उन्होंने अनेक पुस्तकों के अध्याय लिखे है और कई शोध अध्ययनों का संचालन भी किया है।
श्री चटर्जी ने उड़िया में उपन्यास भी लिखे हैं। उनके 12 उपन्यास, लघु कथा संग्रह और पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। उन्होने रेडियो ओर टेलीविजन के लिए भी काम किया है और कई टेलीविजन धारावाहिकों के लिए स्क्रिप्ट भी लिखी हैं।

शिवाजी सरकार
कोर्स डायरेक्टर, अंग्रेजी पत्रकारिता
विशेषज्ञता : वित्तीय पत्रकारिता, विज्ञान एवं तकनीकी पत्रकारिता, नाभिकीय प्रोद्योगिकी, समाचार रिर्पोटिंग, संपादन
ई-मेल - shivajis@hotmail.com
फोन - 91 011 26168094

आईआईएमसी संकाय में 1999 से

श्री सरकार ने 32 वर्षो से ज्यादा समय तक पत्रकार के रुप में काम किया है। उन्होंने संस्थान में आने से पहले नेशनल हेराल्ड, दी पायनियर, पैट्रियट, नॉर्दर्न पत्रिका, नॉर्दर्न इंडिया पत्रिका और फाइनेंशियल एक्सप्रेस में भी काम किया। वे फाइनेंशियल एक्सप्रेस में वरिष्ठ संपादक थे ।

1984 में जब पैट्रियट नये कलेवर में लांच हुआ तो वे इसकी मुख्य डिजाइन टीम में थे। उत्तर भारत का यह पहला अखबार था जिसने ऑन लाइन कम्प्यूटर प्रोद्योगिकी और ऑफसेट प्रिंट का इस्तेमाल किया । उन्होने नॉर्दर्न इंडिया पत्रिका (कानपुर) का डिजाइन तैयार करने और उसे निकालने में मुख्य भूमिका निभायी । श्री सरकार ने फाइनेंशियल एक्सप्रेस के फीचर पृष्ठों का नया डिजाइन तैयार किया, उन्होने प्रोद्यौगिकी और व्यावसायिक समाचारों के कवरेज पर ज्यादा ध्यान देकर अखबार के आर्थिक और राजनीतिक कवरेज को नया आयाम दिया। कानपुर विश्वविद्यालय के क्राइस्ट चर्च कॉलेज में पत्रकारिता की पढ़ाई शुरू हुयी तो वे वहां इसका ढांचा तैयार करने ओर शिक्षण से भी जुड़े रहे । बाद में उन्होंने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग का भी प्रारूप तैयार किया।

श्री सरकार ने परसेप्शन ऑफ यूथ अबाउट पॉलिटिकल लीडर्स, मीडिया कवरेज ऑफ कारगिल कॉन्फिलिक्ट और परसेप्शन अबाउट लोकसभा इलेक्शन जैसे अध्ययनों का भी संचालन किया ।

सुनेत्रा सेन नारायण
एसोसिएट प्रोफेसर, प्रकाशन
विशेषज्ञता: अंतर्राष्ट्रीय संचार, दूरसंचार एवं विकास
पाठ्यक्रम निदेशक: विकास पत्रकारिता में डिप्लोमा
ई मेल - sunetrasennarayan@hotmail.com

सुनेत्रा सेन नारायण का पत्रकारिता और वृत्तचित्र निर्माण से लेकर वित्तीय नियोजन एवं शिक्षण तक विविधतापूर्ण कार्य अनुभव रहा है। वे एक अंतर्राष्ट्रीय मीडिया समूह के भारत संवाददाता के पद पर पांच वर्षों तक रहीं। वे एक गैर सरकारी संगठन से भी जुड़ी रही हैं, जो जन सेवा से सम्बन्धित वृतचित्र का निर्माण करती है। इन वृतचित्रों का दूरदर्शन के राष्ट्रीय चैनल पर नियमित प्रसारण होता है। इनमें से कई वृतचित्रों को भारत और विदेश के फिल्म समारोहों में सराहा भी गया है।

अनुसन्धान के क्षेत्र में उनकी दिलचस्पी अंतर्राष्ट्रीय संचार, विकास एवं दूरसंचार में रही है। उन्होंने इंटरनेशनल कम्युनिकेशन एसोसिएशन और एसोसिएशन फॉर एजुकेशन इन जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन द्वारा आयोजित सम्मेलनों के साथ-साथ कई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में पेपर भी प्रस्तुत किये हैं। उनके शोध पत्र जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन क्वार्टरली और अन्य जर्नलों में प्रकाशित हुए हैं।

सुश्री नारायण ने दिल्ली विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री ली। उन्होंने पेन्सिलवेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी (अमरीका) से वर्ष 2002 में जनसंचार में डॉक्टरेट किया। वे पिछले दशक से भारत में टेलीविजन के भूमण्डलीकरण की पांडुलिपि पर काम कर रही हैं।

एस. ब्रह्मचारी
एसोसिएट प्रोफेसर, ले आउट एवं डिजाइन
ई मेल - sbrahmchari@iimc.nic.in
फोन- 91 011 26741360

आईआईएमसी संकाय में 1973 से
श्री ब्रह्मचारी (जन्म 1949) लेआउट एवं डिजाइन, टाईपोग्राफी और वीडियोग्राफी के विशेषज्ञ हैं। आईआईएमसी के ऑडियो विजुअल विभाग में सीनियर आर्टिस्ट के रूप में आने के पहले वे स्टेट्समैन कोलकाता में विजुअलाइजर के तौर पर कार्यरत थे। उन्होंने एक विज्ञापन एजेंसी में भी काम किया है।
श्री ब्रह्मचारी ने कोलकाता के गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स से कमर्शियल आर्ट में पांच वर्ष का डिप्लोमा किया है। उन्होंने पत्रकारों को प्रशिक्षण देने के लिए 1991 में बुडापेस्ट इंटरनेशनल इंस्टीच्यूट से टेलीविजन प्रोडक्शन में भी डिप्लोमा किया है।
उन्होंने भारत और देश के बाहर कई कार्यशालाओं में भाग लिया है और आईआईएमसी द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अनेक पेशेवरों को प्रशिक्षित किया है।

आनंद प्रधान
एसोसिएट प्रोफेसर, फीचर संचार
विशेषज्ञता- संपादकीय लेखन, फीचर लेखन, जनसंचार सिद्धांत
ई मेल - apradhan28@gmail.com
फोन- 91011 26160940 Ext.143

आईआईएमसी संकाय में वर्ष 2003 से
डॉ प्रधान (जन्म 1968) ने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी से पत्रकारिता और जनसंचार में स्नातकोत्तर और पीएचडी की। उनके शोध का विषय था प्रिन्ट मीडिया और आतंकवाद- पंजाब समस्या के विशेष संदर्भ में।
आईआईएमसी संकाय में आने से पहले वे आकाशवाणी के समाचार सेवा प्रभाग में सहायक समाचार संपादक के पद पर थे। उन्होंने 2007 में कुछ वक्त के लिए गुरु गोविन्द सिंह आई पी विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज में भी सीनियर लेक्चरर के तौर काम किया। उनके पास आईआईएमसी के आई टी विभाग की भी जिम्मेदारी है।
डॉ. प्रधान के लेख, समाचार विश्लेषण और फीचर नियमित तौर पर राष्ट्रीय पत्र- पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं।

हेमंत जोशी
एसोसिएट प्रोफेसर, हिन्दी पत्रकारिता
विशेषज्ञता- भाषाई पत्रकारिता, रेडियो एवं टेलीविजन, अनुवाद, सूचना प्रोद्योगिकी
ई मेल - jkjoshi@iimc.nic.in
फोन - 91 011 26741960

आईआईएमसी संकाय में 1989 से
डॉ. जोशी (जन्म 1954) ने जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय से फ्रेंच भाषा में स्नातक, इटैलियन में डिप्लोमा और भाषा विज्ञान में पीएचडी की डिग्री ली है। उन्होंने प्रसारण पत्रकारिता में आईआईएमसी और बुडापेस्ट (हंगरी) के इंटरनेशनल इंस्टीच्यूट फॉर दी ट्रेनिंग ऑफ जर्नलिस्ट्स से प्रशिक्षण भी लिया है।
आईआईएमसी आने के पहले डॉ. जोशी लेखक और स्वतंत्र पत्रकार के रूप में काम कर रहे थे। इस क्षेत्र में उनका अनुभव करीब दो दशक का है। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी काम किया है। वे आकाशवाणी के राष्ट्रीय चैनल में हिन्दी में समाचार पत्रिका कार्यक्रम के प्रोड्यूसर भी रहे हैं। डॉ जोशी ने दूरदर्शन में अस्थायी समाचार संपादक और न्यूज रीडर की भी जिम्मेवारी संभाली है। संचार, सूचना प्रोद्योगिकी और भाषाओं में उनकी गहरी रुचि रही है।
डॉ. जोशी ने वर्ष 2001-2003 के बीच दो वर्षों तक हिन्दी पत्रकारिता के स्नातकोत्तर डिप्लोमा के पाठ्यक्रम निदेशक का दायित्व भी संभाला। वे 2006-08 तक जामिया मीलिया इस्लामिया के हिन्दी विभाग में पत्रकारिता के प्रोफेसर भी रहे हैं। वे केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय की मानकीकरण परियोजना और वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग की आईटी शब्दावली परियोजना से भी जुड़े रहे।